प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि वैज्ञानिकों पदमश्री प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय ने दी शुभकामनाएं

विश्वविद्यालय के शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम में योगदान करने वाले दो कृषि वैज्ञानिकों को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डा. राम चेत चौधरी जो कि खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) से सेवानिवृत्त होने के बाद गोरखपुर में पीआरडीएफ नाम से स्वयं सेवा संस्थान चलाकर पूरे क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे है और उन्होंने लुप्त हो रहे काला नमक धान को अपने प्रयासों से लगभग 80 हजार हैक्टेयर तक पहुंचा दिया है और उसे आई.पी.आर. के अंतर्गत जी.आई. टैग भी दिलाया है। डा. चौधरी पन्तनगर कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में 1969 से 1979 तक एक दशक संकाय सदस्य के रूप में शोध एवं शिक्षण में योगदान दिये थे।

डा. रवि प्रकाश सिंह अंतर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूँ अनुसंधान (सिमिट), मैक्सिकों में गेहूँ में अनुसंधान के लिए ग्लोबल लीडर के रूप में कार्य कर रहे हैं और विश्व स्तर पर गेहूँ की हजारों नयी प्रजातियों के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय को हरित क्रान्ति की जननी बनाने में मैक्सिको से आयातित गेहूँ की प्रजातियों एवं जर्मप्लाज्म का योगदान रहा है। डा. सिंह द्वारा विश्वविद्यालय के गेहूँ कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष सैकड़ों महत्वपूर्ण जर्मप्लाज्म उपलब्ध कराया जाता रहा हैं और विश्वविद्यालय के गेहूं शोध कार्यक्रम में कार्यरत वैज्ञानिकों को मैक्सिको ही नहीं अपितु अन्य कई देशों में भी प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी आदि में प्रतिभाग करने का उनके द्वारा मौका दिया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा दोनों ही कृषि वैज्ञानिकों को पद्मश्री से सम्मानित किये जाने पर बधाई दी गयी और विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग के लिए प्रसन्नता व्यक्त की गयी।

(1) पद्मश्री डा. राम चेत चौधरी

(2) एवं पद्मश्री डा. रवि प्रकाश सिंह

निदेशक संचार